



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II--Section 3--Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 60]
No. 60]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 7, 1978/माघ 18, 1899
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 7, 1978/MAGHA 18, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अतिरिक्त

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1978

का०अ० 76 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 141 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा सुरक्षा बल (वेतन और भत्तों से कटौती) नियम, 1978 है।
- (2) ये अधिनियम के अधीन रहते हुए सभी व्यक्तियों को लागू होंगी।
- (3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ—इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (क) “अधिनियम” से सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) अभिप्रेत है।
- (ख) इसमें प्रयोग किए गए ऐसे शब्दों और पदों का जो इन नियमों में परिभाषित नहीं किए गए हैं, वही अर्थ होगा जो उनको अधिनियम में दिया गया है।

3. अधिकारियों के वेतन और भत्तों से कटौती :—अधिकारियों के वेतन और भत्तों से निम्नलिखित कटौतियाँ की जाएंगी, अर्थात्—

- (क) ऐसे प्रत्येक दिन के लिए अधिकारी को वेतन समस्त वेतन और भत्ते जिस दिन वह बिना छुट्टी लिए अनुपस्थित रहा है, जब तक कि उसके द्वारा कोई सतोषजनक स्पष्टीकरण न दे दिया जाए और महानिदेशक द्वारा, जिसके अधीन वह तत्समय सेवारत है उसकी स्वीकृति न दे दी जाए—
- (ख) इस अधिनियम के अधीन आने वाले किसी व्यक्ति के ऐसे वेतन के संदाय के लिए अपेक्षित कोई रकम जिसे उस अधिकारी ने विधि विरुद्ध रूप से रोक रखा है या विधि विरुद्ध देने से इनकार कर दिया है।
- (ग) किसी दंडिक न्यायालय या सुरक्षा बल न्यायालय द्वारा अधिरोपित शास्ति के रूप में संदाय के लिए अपेक्षित कोई रकम।
- (घ) किसी सार्वजनिक सम्पत्ति, अथवा बल की सम्पत्ति के किसी नुकसान, क्षति या विनाश को पूरा करने के लिए उपेक्षित कोई रकम, जिसकी बाबत सहायक अन्वेषण के पश्चात् ऐसे महानिरीक्षक को, जिसके अधीन अधिकारी तत्समय सेवारत रहा हो यह प्रतीत हो कि वह ऐसे अधिकारी के दोषपूर्ण कार्य या उसकी उपेक्षा के कारण हुआ है।
- (ङ) केन्द्रीय सरकार के किसी आदेश के समपहत सभी वेतन और भत्ते, यदि महा निदेशक, सीमा सुरक्षा बल द्वारा उस निमित्त गठित जांच न्यायालय द्वारा यह पाया जाए कि वह अधिकारी शत्रु से जा मिला है या उसने शत्रु के हाथों पड़ने के दौरान शत्रु के साथ या उसके आदेशों के अधीन काम किया है, या किसी भी रूप में शत्रु की मदद की है या वह

सम्बन्धित सनकता न बर्तने के कारण या आदेशों की अवहेलना करके, या कर्तव्य की स्वेच्छया उपेक्षा करके जानबूझकर बन्दी बना है, या शत्रु द्वारा बन्दी बनाए जाने के पश्चात् उक्त समय अपनी सेवा पर वापस नहीं आया जब उसके लिए ऐसा करना संभव था,

(ज) उसकी पत्नी या उसकी धर्मज या अधर्मज संतान या मौतेली महान के भरण पोषण के लिए केन्द्रीय सरकार के किसी आदेश द्वारा संवत् की जाने के लिए अपेक्षित कोई रकम या उक्त सरकार द्वारा उक्त पत्नी या संतान को दिए गए किसी अनुतोष की कोई रकम ।

4 अधिकारियों से भिन्न व्यक्तियों के वेतन और भत्तों से कटौतियाँ:—अधिनियम के अधीन आने वाले अधिकारियों से भिन्न व्यक्तियों के वेतन और भत्तों से निम्नलिखित कटौतियाँ, नियम 6 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, की जाएगी अर्थात्,

(क) अभिव्यजन या बिना छुट्टी लिए या युद्ध बंदी रहने पर अनुपस्थिति के प्रत्येक दिन के लिए और किसी दाइकन्यायालय सुरक्षा बल न्यायालय या अधिनियम की धारा 53 के अधीन प्राधिकार का प्रयोग करने वाले किसी अधिकारी द्वारा दिए गए कारावास के प्रत्येक दिन के लिए सभी वेतन और भत्ते,

(ख) उक्त शत्रु से वापस प्राप्त करने की तारीख और शत्रु द्वारा बन्दी बनाए जाने के समय या शत्रु के हाथों पड़े रहने के समय उसके आचरण के फलस्वरूप उसे सेवानिवृत्त किए जाने की तारीख के बीच प्रत्येक दिन के लिए सभी वेतन और भत्ते ।

(ग) इस अधिनियम के अधीन आने वाले किसी व्यक्ति को सदाय करने के लिए अपेक्षित कोई रकम जिसे उक्त अधिकारी ने विधि विरुद्ध रूप से रोक रखा हो या मनाय करने से विधि विरुद्ध इनकार कर दिया हो,

(घ) उसके द्वारा केन्द्रीय सरकार को, या बल के किसी अयन या सम्पत्ति या किसी निजी निधि को, किन्हीं ऐसे व्ययों, नुकसान क्षति या विनाश के लिए जो उसके द्वारा कारित हुए हैं प्रतिकर के रूप में, जो उसके कमांडेंट द्वारा अधिनियमित किया जाए, दी जाने के लिए अपेक्षित कोई रकम ।

(ङ) किसी दाइकन्यायालय, सुरक्षा बल न्यायालय या अधिनियम की धारा 53 के अधीन प्राधिकार का प्रयोग करने वाले किसी अधिकारी द्वारा अधिरोपित भास्ति के रूप में सहाय के लिए अपेक्षित कोई रकम ;

(च) उसकी पत्नी या उसकी धर्मज या अधर्मज संतान या मौतेली संतान के भरण पोषण के लिए केन्द्रीय सरकार के किसी आदेश द्वारा, संवत् की जाने के लिए अपेक्षित कोई रकम या उक्त सरकार द्वारा उक्त पत्नी या संतान दिए गए अनुतोष व्यय की कोई रकम ।

5 नियम 4 के खंड (क) के प्रयोजनों के लिए अनुपस्थित या कारावास के समय की संगणना:—(1) किसी व्यक्ति को एक दिन के लिए अनुपस्थित या कारावास में तब तक नहीं समझा जाएगा जब तक कि अनुपस्थित या कारावास पूर्णतः एक दिन में या अशतः एक दिन और अशतः दूसरे दिन में लगातार छह घंटे या अधिक तक न रहा हो ।

(2) एक दिन से कम की अनुपस्थिति या कारावास को एक दिन की अनुपस्थिति या कारावास गिना जाएगा यदि ऐसी अनुपस्थिति या कारावास से अनुपस्थित व्यक्ति बल के सदस्य के रूप में कोई कर्तव्य पूरा करने में, जो किसी दूसरे सदस्य को सौंप दिया हो, निवारित हो गया था ।

6 कतिपय कटौतियों की सीमा:—नियम 4 के खंड (ग) और (च) के अधीन किसी व्यक्ति के वेतन और भत्तों से की जाने वाली कुल कटौती किसी भी एक मास में, जब तक कि उसे पदच्युति का दंडादेश न दिया गया हो, उस मास के वेतन और भत्तों के आधे से अधिक न होगी ।

7 किसी व्यक्ति के देय सार्वजनिक धन से कटौती:—किसी व्यक्ति के वेतन और भत्तों से कटौती की जाने के लिए इन नियमों द्वारा प्राधिकृत कोई रकम, उसे वसूल करने के लिए किसी अन्य जरिए पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, पेशन के भिन्न उसे शोध्य किसी सार्वजनिक धन में से काट ली जाएगी ।

8 युद्ध बंदी के आचरण की जांच के दौरान उसके वेतन और भत्ते:—जब इस अधिनियम के अधीन आने वाले किसी व्यक्ति को शत्रु द्वारा बन्दी बनाया गया हो, या वह शत्रु के हाथों में पड़ गया हो और जब इस अधिनियम या किसी अन्य विधि के अधीन उसके आचरण की जांच की जानी हो तब, केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक अथवा महानिदेशक द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी यह आदेश कर सकता है कि ऐसे व्यक्ति के सभी वेतन और भत्ते या उसका कोई भाग, ऐसी जांच के परिणाम प्राप्त होने तक, रोक रखा जाए ।

9 विप्रेषित कटौतियों में से युद्ध बंदी के आश्रितों के लिए व्यवस्था:—इस अधिनियम के अधीन आने वाले ऐसे व्यक्तियों की बाबत, जो युद्ध बन्दी हैं, और जिनके वेतन और भत्ते नियम 3 के खंड (ङ) या नियम (4) के खंड (क) के अधीन समग्रित कर लिए गए हैं, किन्तु जिनकी बाबत नियम 13 के अधीन विप्रेषण किया गया है, केन्द्रीय सरकार के लिए ऐसे वेतन और भत्तों में से ऐसे व्यक्ति के किसी आश्रित के लिए उपयुक्त व्यवस्था करना विधिपूर्ण होगा और ऐसी दशा में, ऐसा कोई विप्रेषण ऐसे वेतन और भत्तों से बने अतिशेष पर ही लागू समझा जाएगा ।

10 युद्ध बंदी के वेतन और भत्तों में से उसके आश्रितों के लिए व्यवस्था:—केन्द्रीय सरकार, या जब केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत किया जाए तो महानिदेशक, के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह इस अधिनियम के अधीन आने वाले किसी ऐसे व्यक्ति के, जो युद्ध बन्दी है या जिसका पता नहीं चल पाया है, किसी आश्रित के लिए, उसके वेतन और भत्तों में से उचित व्यवस्था करे ।

11 अवधि जिसके दौरान किसी व्यक्ति को युद्ध बन्दी समझा जाएगा:—नियम 9 और 10 के प्रयोजनों के लिए किसी व्यक्ति को तब तक जब तक कि नियम 8 में निर्दिष्ट उसके आचरण सम्बन्धी जांच पूरी नहीं हो जाती, और यदि उसे ऐसे आचरण के फलस्वरूप सेवा से पदच्युत किया जाता है, तो उसकी पदच्युति की तारीख तक युद्ध बन्दी रहा समझा जाएगा ।

12 कटौती का आदेश करने वाला सक्षम प्राधिकारी:—इन नियमों के अधीन कटौती का आदेश करने के लिए सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित होंगे:—

- (1) अधीनस्थ अधिकारियों और अभ्यवेष्टित व्यक्तियों की दशा में, कमांडेंट
- (2) कमांडेंट और उसकी रैंक तक के अधिकारियों की दशा में, महानिदेशक
- (3) कमांडेंट से ऊपर के रैंक के अधिकारियों की दशा में, केन्द्रीय सरकार ।

13 कटौतियों की माफी:—इन नियमों के अधीन कटौती की आज्ञा देने वाले अधिकारियों से बरिष्ठ कोई भी अधिकारी उक्त कटौती को पूर्णतः या अशतः माफ कर सकता है ।

14 किसी बरिष्ठ अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा प्रयोग किए जाने वाले अधिकार:—इन नियमों के किसी उपबन्ध द्वारा किसी अधिकारी को प्रदत्त किसी शक्ति का प्रयोग उससे बरिष्ठ कमान अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा भी किया जा सकेगा ।

15. अस्थाई उपबन्ध.—इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को बल के किसी सदस्य को लागू कोई नियम या आदेश, जब तक कि वह इन नियमों के प्रतिकूल न हों, लागू बना रहेगा जब तक कि उसे केन्द्रीय सरकार या अन्य सक्षम प्राधिकारी निरस्त या उपान्तरित न कर दे।

[फाइल सं० 1/20/77-सी एल गो/बी०एस०एफ]

सी० जी० सोमैया, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd February, 1978

S.O. 76(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 141 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, application and commencement.—(1) These rules may be called the Border Security Force (Deductions from Pay and Allowances) Rules, 1978.

(2) These rules shall apply to all persons subject to the Act.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

(a) "Act" means the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968);

(b) Words and expressions used herein and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. Deductions from pay and allowances of Officers.—The following deductions may be made from the pay and allowances of an officer, that is to say,

(a) all pay and allowances due to an officer for every day he absents himself without leave, unless a satisfactory explanation has been given and accepted by the Inspector-General under whom he is for the time being serving;

(b) any sum required to make good the pay of any person subject to this Act which the officer has unlawfully retained or unlawfully refused to pay;

(c) any sum required to be paid as fine imposed by a criminal court or a Security Force Court;

(d) any sum required to make good any loss, damage or destruction of public property or property belonging to the Force which, after due investigation, appears to the Inspector-General under whom the officer is for time being serving, to have been occasioned by wrongful act or negligence on the part of the officer;

(e) all pay and allowances forfeited by an order of the Central Government if the officer is found by a court of inquiry constituted by the Director General, Border Security Force in this behalf, to have deserted to the enemy, or while in enemy's hands, to have served with or under the orders of enemy, or in any manner to have aided the enemy, or to have allowed himself to be taken prisoner by the enemy, through want of due precaution or through disobedience of orders or wilful neglect of duty or having been taken prisoner by the enemy, to have failed to rejoin his service when it was possible to do so;

(f) any sum required by an order of the Central Government to be paid for the maintenance of his wife or his legitimate or illegitimate child or step-child or towards the cost of any relief given by the said Government to the said wife or child.

4. Deductions from pay and allowances of persons other than Officers.—Subject to the provisions of rule 6, the following deductions may be made from the pay and allowances of

person subject to the Act, other than an officer, that is to say,

(a) all pay and allowances for every day of absence either on desertion or without leave, or as a prisoner of war, and for every day of imprisonment awarded by a criminal court, a Security Force Court or an officer exercising authority under section 53 of the Act;

(b) all pay and allowances for every day between the date of his recovery from the enemy and his dismissal from the Service in consequence of his conduct when being taken prisoner by, or while in the hands of the enemy;

(c) any sum required to make good the pay of any person subject to this Act which he has unlawfully retained or unlawfully refused to pay;

(d) any sum required to make good such compensation for any expenses, loss, damage or destruction caused by him to the Central Government or to any building or property or any private fund of the Force as may be awarded by his Commandant;

(e) any sum required to be paid as fine imposed by a criminal court, a Security Force Court or an officer exercising authority under section 53 of the Act;

(f) any sum required by an order of the Central Government to be paid for maintenance of his wife or his legitimate or illegitimate child or step-child or towards the cost of any relief given by the said Government to the said wife or child.

5. Computation of time of absence or imprisonment for the purpose of clause (a) of rule 4.—(1) No person shall be treated as absent or under imprisonment for a day unless the absence or imprisonment has lasted, whether wholly in one day or partly in one day and partly in another, for six consecutive hours or upwards.

(2) Any absence or imprisonment for less than a day may be reckoned as absence or imprisonment for a day if such absence or imprisonment prevented the absentee from fulfilling any duty as a member of the Force which was thereby thrown upon some other member.

6. Limit of certain deductions.—The total deductions from the pay and allowance of a person made under clauses (c) to (f) of rule 4 shall not, except where he is sentenced to dismissal, exceed in any one month, one-half of his pay and allowances for that month.

7. Deduction from public money due to a person.—Any sum authorised by these rules to be deducted from the pay and allowances of any person may, without prejudice to any other mode of recovering the same, be deducted from any public money due to him other than a pension.

8. Pay and allowances of prisoner of war during the inquiry into his conduct.—Where the conduct of any person subject to the Act when being taken prisoner by, or while in the hands of the enemy, is to be inquired into under the Act or any other law, the Central Government or the Director General or any officer authorised by the Director General may order that the whole or any part of the pay and allowances of such person shall be withheld pending the result of such inquiry.

9. Provision for dependants of prisoner of war from remitted deductions.—In the case of persons subject to the Act, being prisoners of war, whose pay and allowances have been forfeited under clause (e) of rule 3 or clause (a) of rule 4, but in respect of whom a remission has been made under rule 13 it shall be lawful for proper provision to be made by the Central Government out of such pay and allowances for any dependants of such persons, and any such remission shall, in that case, be deemed to apply only to the balance remaining thereafter of such pay and allowances.

10. Provision for dependants of prisoner of war from his pay and allowances.—It shall be lawful for proper provision to be made by the Central Government or by the Director General when so authorised by the Central Government for any dependants of any person subject to the Act who is a prisoner of war or is missing, out of his pay and allowances.

11. Period during which a person is deemed to be a prisoner of war.—For the purposes of rules 9 and 10, a person shall be deemed to continue to be a prisoner of war until the conclusion of any inquiry into his conduct referred to in rule 8, and if he is dismissed from Service, in consequence of such conduct, until the date of such dismissal.

12. Authority competent to order deductions.—The following shall be the authorities competent to order deductions from pay and allowances under these rules namely :—

- (1) Commandants, in the case of subordinate officers and enrolled persons ;
- (2) Director General, in the case of officers upto and including the rank of a Commandant ;
- (3) Central Government, in the case of officers above the rank of a Commandant.

13. Remission of deductions.—Any authority superior to the one awarding any deductions under these rules shall be competent to remit the whole or part of the said deductions.

14. Powers to be exercised by a superior officer or authority.—Any power conferred by the provisions of these rules on an officer may be exercised by an officer or authority superior in command to the first mentioned officer.

15. Transitory provisions.—Any rule or order applicable to the members of the Force on the date of commencement of these rules shall, unless it is repugnant to these rules, continue to apply unless and until it is abrogated or modified by the Central Government or any other competent authority.

[F. No. 1/20/77-CLO/BSF]

C. G. SOMIAH, Jt. Secy.